ASTROICA.COM

YEAR GUIDE 2025 VARSHPHAL

KAREN LAURET

November 16, 2001, 10:00 AM

Chennai

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

जन्म विवरण

नाम	KAREN LAURET
जन्म तिथि	16 November, 2001
जन्म का समय	10:00 am
जन्म तारीख	शुक्रवार
दिन/रात	दिन
जन्म स्थान	Chennai
अक्षांश एवं देशांतर	9.93988, 76.2602
समय क्षेत्र सुधार	स्टैण्डर्ड टाइम(+05:30)
अयनांश	लाहिड़ी
जेंडर (लिंग)	पुरुष

वर्ष 2001, 16 नवम्बर, शुक्रवार को दक्षिणायन के समय, सूर्योदय के पश्चात 10:00 AM बजे 9 घटी (नाझिका) और 2 विघटी (विनाझिका) पर, प्रतिपदा तिथि, बव करण, अतिगण्ड नित्य योग, अनुराधा नक्षत्र के तीसरे पद में, धनुष लग्न, तुला सूर्य राशि और वृश्चिक चन्द्र राशि में इस लड़का का जन्म हुआ।

नक्षत्र

अनुराधा
पद : 3

चंद्र राशि

वृश्चिक
स्कॉर्पियो

सूर्य राशि

तुला
लिब्रा

आपकी कुंडली

नीचे उत्तर भारतीय शैली में KAREN LAURET के लिए लग्न, नवमांश और चंद्रमा चार्ट दिए गए हैं।

लग्न चार्ट

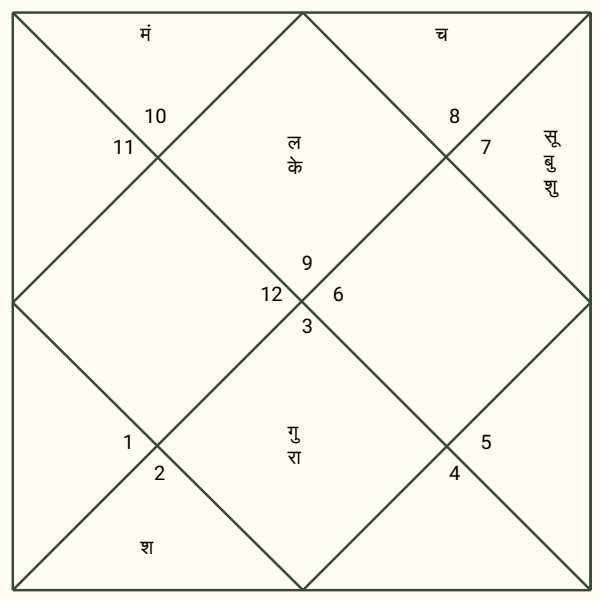

नवमांश चार्ट

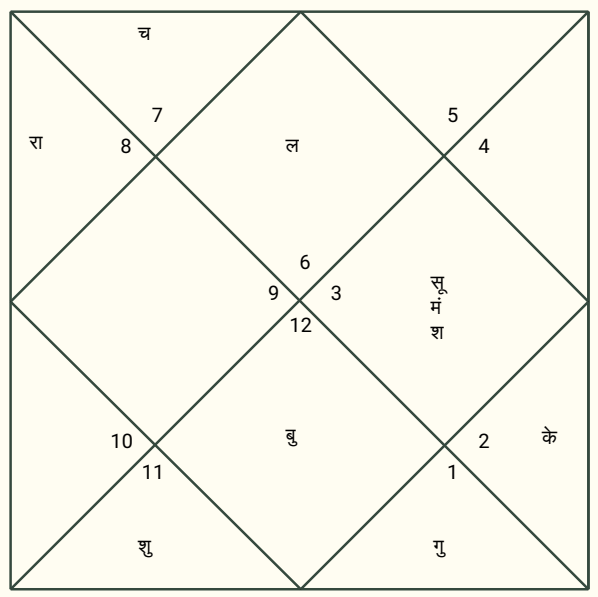

चंद्र चार्ट

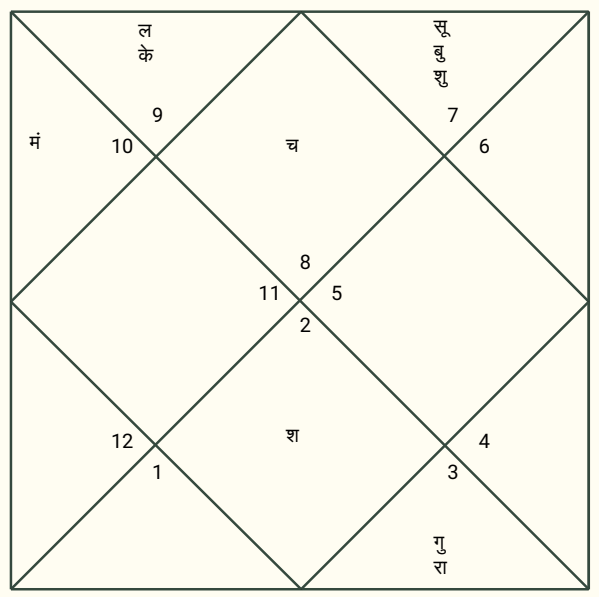

वेदिक ग्रह स्थिति (साइडरियल)

वैदिक ज्योतिष में, ग्रहों की स्थिति का निर्धारण निरयन रेखांश पर निर्भर करता है, जहाँ "निर-अयन" का अर्थ है कोई गति नहीं। यहाँ, अयनांश, गतिमान वसंत विषुव और सटीक नक्षत्र शून्य मेष बिंदु के बीच सटीक डिग्री अंतर, पश्चिमी ज्योतिष में उपयोग किए जाने वाले सायन रेखांश से घटाया जाता है। अयनांश की गणना के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रथाओं में से, यहाँ उपयोग की जाने वाली विधि चित्रपक्ष है।

चित्रपक्ष लाहिड़ी : 23° 52‘ 59“

नीचे दी गई तालिका दर्ज की गई तिथि, समय, और स्थान पर ग्रहों की स्थिति दर्शाती है (ग्रहों की निरयण देशांतर)

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
रवि	209° 59‘ 51“	29° 59‘ 51“	तुला	शुक्र	पूर्वभाद्रपदा	गुरू
चंद्र	221° 37‘ 53“	11° 37‘ 53“	वृश्चिक	मंगल	पूर्व फाल्गुनी	शनि
बुध	199° 16‘ 38“	19° 16‘ 38“	तुला	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
शुक्र	195° 40‘ 25“	15° 40‘ 25“	तुला	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
मंगल	289° 43‘ 19“	19° 43‘ 19“	मकर	शनि	श्रवण	चंद्र
गुरू ℞	81° 30‘ 7“	21° 30‘ 7“	मिथुन	बुध	धनिष्ठा	गुरू
शनि ℞	48° 59‘ 6“	18° 59‘ 6“	वृषभ	शुक्र	अश्विनी	चंद्र
लग्न	259° 48‘ 12“	19° 48‘ 12“	धनुष	गुरू	रोहिणी	शुक्र
राहु ℞	64° 53‘ 57“	4° 53‘ 57“	मिथुन	बुध	भरणी	मंगल
केतु ℞	244° 53‘ 57“	4° 53‘ 57“	धनुष	गुरू	रेवती	केतु

℞ वक्री को दर्शाता है

नीचे दी गई तालिका राशि चक्र में ग्रहों की स्थिति को उनके पश्चिमी नामों के साथ दर्शाती है।

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
सूर्य	209° 59‘ 51“	29° 59‘ 51“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वभाद्रपदा	गुरू
चंद्र	221° 37‘ 53“	11° 37‘ 53“	स्कॉर्पियो	मंगल	पूर्व फाल्गुनी	शनि
बुध	199° 16‘ 38“	19° 16‘ 38“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
शुक्र	195° 40‘ 25“	15° 40‘ 25“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
मंगल	289° 43‘ 19“	19° 43‘ 19“	कैप्रिकॉर्न	शनि	श्रवण	चंद्र
गुरू ℞	81° 30‘ 7“	21° 30‘ 7“	जेमिनी	बुध	धनिष्ठा	गुरू
शनि ℞	48° 59‘ 6“	18° 59‘ 6“	टॉरस	शुक्र	अश्विनी	चंद्र
लग्न	259° 48‘ 12“	19° 48‘ 12“	सैजिटेरियस	गुरू	रोहिणी	शुक्र
राहु ℞	64° 53‘ 57“	4° 53‘ 57“	जेमिनी	बुध	भरणी	मंगल
केतु ℞	244° 53‘ 57“	4° 53‘ 57“	सैजिटेरियस	गुरू	रेवती	केतु

℞ वक्री को दर्शाता है

वर्षप्रवेश

वर्षप्रवेश किसी व्यक्ति के नए ज्योतिषीय वर्ष की शुरुआत को इंगित करता है। यह तब होता है जब गोचर में सूर्य उस व्यक्ति की जन्म कुंडली में स्थित अपने मूल स्थान पर पहुंचता है।

उन्नत आयु: 24

मुंथा: वृश्चिक

तारीख: 16 November, 2024

समय: 07:29:35 AM

उन्नत आयु: 25

मुंथा: धनुष

तारीख: 16 November, 2025

समय: 13:32:52 PM

वर्ष 2025 का वर्षप्रवेश November 16, 2025 को 01:32:52 PM पर होता है, जो जन्म के बाद आपके 25th वर्ष की शुरुआत को दर्शाता है। अगले वर्षप्रवेश तक मुंथा की स्थिति धनुष राशि में रहेगी।

पिछले वर्ष, 24th वर्ष का वर्षप्रवेश November 16, 2024 को 07:29:35 AM पर हुआ था, जिसमें वृश्चिक राशि मुंथा था।

नीचे आपके 24th वर्ष के लिए वर्षप्रवेश समय के आधार पर वार्षिक कुंडली दिया गया है।

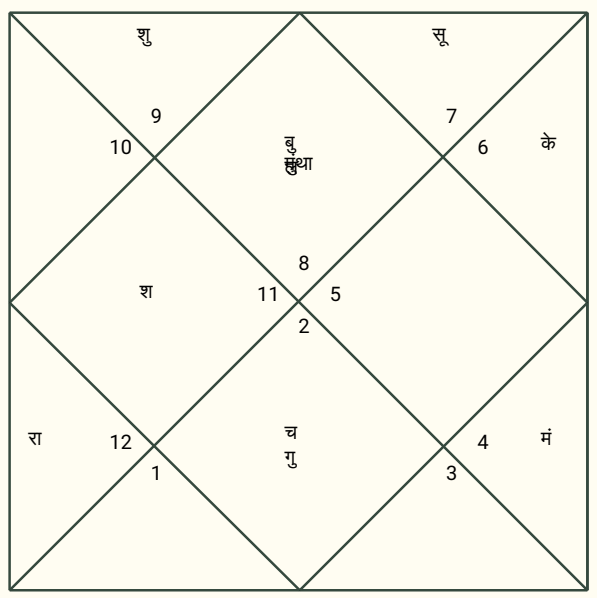

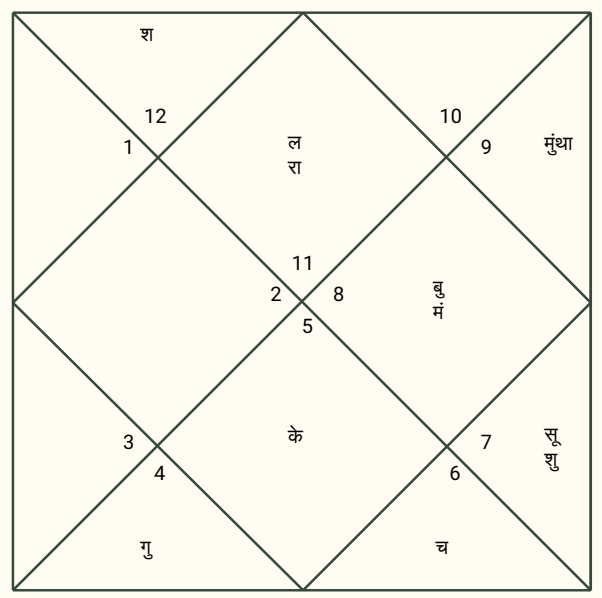

वार्षिक ग्रह स्थिति

नीचे 24th और 25th के वार्षिक कुंडली के लिए निरयण देशांतर या ग्रहों की स्थिति अयनांश चित्रपक्ष लाहिड़ी के साथ दी गई है: 23° 52‘ 59“.

निरयण ग्रह स्थिति 24th वर्ष के लिए

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
सूर्य	209° 59‘ 51“	29° 59‘ 51“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वभाद्रपदा	गुरू
चंद्र	32° 36‘ 33“	2° 36‘ 33“	टॉरस	शुक्र	आश्लेषा	सूर्य
बुध	232° 23‘ 56“	22° 23‘ 56“	स्कॉर्पियो	मंगल	पुष्य	बुध
शुक्र	250° 55‘ 58“	10° 55‘ 58“	सैजिटेरियस	गुरू	रेवती	केतु
मंगल	99° 17‘ 25“	9° 17‘ 25“	कैंसर	चंद्र	हस्त	शनि
गुरू ℞	54° 51‘ 5“	24° 51‘ 5“	टॉरस	शुक्र	भरणी	मंगल
शनि	318° 29‘ 17“	18° 29‘ 17“	एक्वेरियस	शनि	उत्तराषाढ़ा	राहु
लग्न	225° 14‘ 5“	15° 14‘ 5“	स्कॉर्पियो	मंगल	पूर्व फाल्गुनी	शनि
राहु ℞	339° 43‘ 24“	9° 43‘ 24“	पाइसीज़	गुरू	उत्तर फाल्गुनी	शनि
केतु ℞	159° 43‘ 24“	9° 43‘ 24“	वर्गो	बुध	मूल	सूर्य

℞ वक्री को दर्शाता है

निरयण ग्रह स्थिति 25th वर्ष के लिए

ग्रह	स्थान	डिग्री	राशि	प्रभु	नक्षत्र	प्रभु
सूर्य	209° 59‘ 51“	29° 59‘ 51“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वभाद्रपदा	गुरू
चंद्र	167° 1‘ 13“	17° 1‘ 13“	वर्गो	बुध	मृगशीर्षा	चंद्र
बुध ℞	219° 11‘ 22“	9° 11‘ 22“	स्कॉर्पियो	मंगल	पूर्व फाल्गुनी	शनि
शुक्र	197° 33‘ 16“	17° 33‘ 16“	लिब्रा	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा	राहु
मंगल	224° 17‘ 51“	14° 17‘ 51“	स्कॉर्पियो	मंगल	पूर्व फाल्गुनी	शनि
गुरू ℞	90° 53‘ 52“	0° 53‘ 52“	कैंसर	चंद्र	धनिष्ठा	गुरू
शनि ℞	331° 3‘ 49“	1° 3‘ 49“	पाइसीज़	गुरू	उत्तरभाद्रपदा	गुरू
लग्न	315° 27‘ 16“	15° 27‘ 16“	एक्वेरियस	शनि	उत्तराषाढ़ा	राहु
राहु ℞	320° 22‘ 10“	20° 22‘ 10“	एक्वेरियस	शनि	उत्तरभाद्रपदा	गुरू
केतु ℞	140° 22‘ 10“	20° 22‘ 10“	लियो	सूर्य	मघा	शुक्र

℞ वक्री को दर्शाता है

हर्ष बल

संस्कृत में हर्ष का अर्थ है "खुशी", और कुछ ग्रहों की स्थिति उन्हें आराम पहुंचाती है, तथा उनके बल या शक्ति को बढ़ाती है।

- **स्थान बल:** यह पहला बल है, जो ग्रह की स्थितिगत शक्ति को दर्शाता है।
- **उच्च/स्वक्षेत्री बल:** दूसरा बल, जो तब प्राप्त होता है जब कोई ग्रह अपनी उच्च राशि या स्वराशि में होता है।
- **स्त्री-पुरुष बल:** तीसरा बल, जो ग्रहों के लिंग और उनके द्वारा अधिगृहित भावों से निर्धारित होता है।
- **दिन-रात्रि बल:** चौथा बल, जो दिन या रात के आधार पर ग्रहों द्वारा अर्जित शक्ति को दर्शाता है।

नीचे दी गई तालिकाएँ वार्षिक कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार प्रत्येक ग्रह को मिलने वाली शक्ति को दर्शाती है। ग्रह की शक्ति उसके द्वारा अर्जित अंकों से निर्धारित होती है: 20 अंक प्राप्त करने पर इसे अत्यंत बलवान (पूर्ण पराक्रमी) माना जाता है, 15 अंक प्राप्त करने पर बलवान (पूर्ण बली), 10 अंक प्राप्त करने पर मध्यम (मध्य बली), 5 अंक प्राप्त करने पर कमज़ोर (अल्प बली) और 0 अंक प्राप्त करने पर दुर्बल (निर्बली) माना जाता है।

नीचे 24th वर्ष के लिए हर्ष बल को दर्शाने वाली तालिका दी गई है:

ग्रह	स्थान	उच्च	स्त्री-पुरुष	दिन-रात्रि	कुल	शक्ति
सूर्य	0	0	5	5	10	मध्यम
चंद्र	0	5	5	0	10	मध्यम
बुध	5	0	5	0	10	मध्यम
शुक्र	0	0	5	0	5	कमजोर
मंगल	0	0	0	5	5	कमजोर
गुरू	0	0	0	5	5	कमजोर
शनि	0	5	0	0	5	कमजोर

नीचे 25th वर्ष के लिए हर्ष बल को दर्शाने वाली तालिका दी गई है:

ग्रह	स्थान	उच्च	स्त्री-पुरुष	दिन-रात्रि	कुल	शक्ति
सूर्य	5	0	0	5	10	मध्यम
चंद्र	0	0	5	0	5	कमजोर
बुध	0	0	0	0	0	बलहीन
शुक्र	0	5	5	0	10	मध्यम
मंगल	0	5	5	5	15	बलवान
गुरू	0	5	5	5	15	बलवान
शनि	0	0	5	0	5	कमजोर

पंचवर्गीय बल

पंच-वर्गीय बल ग्रहों के शक्ति के पाँच अलग-अलग स्रोतों का प्रतिनिधित्व करता है जो वर्षफल में वर्षेश या वर्ष के स्वामी को निर्धारित करने में आवश्यक हैं। इसे बल का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार माना जाता है। पाँच घटक हैं:

- **क्षेत्र बल:** किसी विशेष भाव में ग्रह की स्थिति के आधार पर बल।
- **उच्च बल:** किसी ग्रह की उसके उच्च या नीच राशि से निकटता से व्युत्पन्न।
- **हद्दा बल:** ग्रह की अपनी राशि में स्वयं, मित्र, शत्रु या तटस्थ ग्रह के अंश में स्थिति द्वारा निर्धारित बल।
- **द्रक्काण बल:** ग्रह की अपनी, मित्र, तटस्थ या शत्रु द्रक्काण (द्रेष्कोण) में स्थिति के आधार पर।
- **नवमांश बल:** ग्रह की अपनी, मित्र, तटस्थ या शत्रु नवमांश में स्थिति द्वारा निर्धारित।

नीचे दी गई तालिकाएँ ऊपर बताए गए पाँच पहलुओं के अनुसार प्रत्येक ग्रह को मिलने वाली शक्ति को दर्शाती है। शक्ति का निर्धारण ग्रहों द्वारा विंशोपक में अर्जित अंकों से होता है। 15 या उससे अधिक अंकों के साथ ग्रह को अत्यंत बलवान (पराक्रमी), 10 से 15 अंकों के साथ बलवान (पूर्ण बलि), 5 से 10 अंकों के साथ मध्यम (मध्य बलि) और 5 से कम अंकों के साथ कमजोर (अल्प बलि) माना जाता है।

नीचे 24th वर्ष के लिए पंच-वर्गीय बल दर्शाने वाली तालिका दी गई है:

ग्रह	क्षेत्र	उच्च	हद्दा	द्रेष्काण	नवांश	कुल	विंशोपक	शक्ति
सूर्य	22.5	2.22	3.75	5	2.5	35.97	8.99	मध्यम
चंद्र	15	19.96	7.5	2.5	1.25	46.21	11.55	बलवान
बुध	22.5	12.51	3.75	5	1.25	45.01	11.25	बलवान
शुक्र	15	8.21	7.5	5	2.5	38.21	9.55	मध्यम
मंगल	22.5	2.08	7.5	5	3.75	40.83	10.21	बलवान
गुरू	15	15.54	3.75	2.5	2.5	39.29	9.82	मध्यम
शनि	30	6.83	3.75	2.5	1.25	44.33	11.08	बलवान

चंद्र को 11.552 अंक प्राप्त हो रहे हैं, मंगल को 10.207 अंक प्राप्त हो रहे हैं, बुध को 11.253 अंक प्राप्त हो रहे हैं, और शनि को 11.084 अंक प्राप्त हो रहे हैं जिसे बलवान (पूर्णबली) माना जाता है, जो दर्शाता है कि आप इस ग्रह की दशा के दौरान अनुकूल परिणामों की उम्मीद कर सकते हैं।

सूर्य को 8.993 अंक प्राप्त हो रहे हैं, गुरू को 9.822 अंक प्राप्त हो रहे हैं, और शुक्र को 9.554 अंक प्राप्त हो रहे हैं जिसे मध्यम बल (मध्यबली) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका अर्थ है कि इस ग्रह की दशा के दौरान लाभ मध्यम होगा।

नीचे 25th वर्ष के लिए पंच-वर्गीय बल दर्शाने वाली तालिका दी गई है:

ग्रह	क्षेत्र	उच्च	हद्दा	द्रेष्काण	नवांश	कुल	विंशोपक	शक्ति
सूर्य	7.5	2.22	7.5	2.5	2.5	22.22	5.56	मध्यम
चंद्र	22.5	5.11	11.25	5	3.75	47.61	11.9	बलवान
बुध	7.5	13.98	7.5	2.5	5	36.47	9.11	मध्यम
शुक्र	30	2.27	3.75	5	1.25	42.28	10.57	बलवान
मंगल	30	11.81	3.75	5	5	55.56	13.89	बलवान
गुरू	22.5	19.54	11.25	2.5	3.75	59.54	14.89	बलवान
शनि	22.5	5.44	7.5	10	1.25	46.69	11.67	बलवान

चंद्र को 11.902 अंक प्राप्त हो रहे हैं, मंगल को 13.89 अंक प्राप्त हो रहे हैं, गुरू को 14.886 अंक प्राप्त हो रहे हैं, शुक्र को 10.571 अंक प्राप्त हो रहे हैं, और शनि को 11.672 अंक प्राप्त हो रहे हैं जिसे बलवान (पूर्णबली) माना जाता है, जो दर्शाता है कि आप इस ग्रह की दशा के दौरान अनुकूल परिणामों की उम्मीद कर सकते हैं।

सूर्य को 5.555 अंक प्राप्त हो रहे हैं और बुध को 9.12 अंक प्राप्त हो रहे हैं जिसे मध्यम बल (मध्यबली) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका अर्थ है कि इस ग्रह की दशा के दौरान लाभ मध्यम होगा।

विंशोत्तरी दशा के परिणाम, जो कि नीचे बताया गया है, वार्षिक कुंडली और जन्म कुंडली दोनों में ग्रह की संयुक्त शक्ति पर निर्भर करते हैं। दोनों कुंडली में ग्रहों की शक्ति आपको यह समझने में मदद करने के लिए प्रदान की गई है कि भविष्यवाणियां तदनुसार कैसे प्रकट होंगी।

वर्षेश्वर

वर्ष भर की घटनाओं को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले ग्रह को वर्षेश्वर, वर्षेश, या वर्ष का स्वामी कहा जाता है। एक बलवान वर्षेश सफलता, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का वर्ष दर्शाता है, जबकि एक कमजोर वर्षेश संभावित चुनौतियों का संकेत देता है। वर्षेश का चयन पांच योग्य ग्रहों में से एक से किया जाता है, जिन्हें पंचाधिकारी के रूप में जाना जाता है। इन ग्रहों का निर्धारण विशेष ज्योतिषीय बल और स्थितियों के आधार पर किया जाता है।

- **मुंथा स्वामी:** वह ग्रह जिसकी राशि में मुंथा स्थित है।
- **जन्म लग्न स्वामी:** जन्म कुंडली में लग्न का स्वामी।
- **वर्ष लग्न स्वामी:** वार्षिक कुंडली में लग्न का स्वामी।
- **त्रि-राशि स्वामी:** वर्ष लग्न और जन्म के समय (दिन या रात) द्वारा निर्धारित।
- **दिन-रात्रि स्वामी:** यदि वर्षप्रवेश दिन के दौरान होता है तो सूर्य-राशि का स्वामी, और यदि यह रात में होता है तो चंद्र-राशि का स्वामी।

नीचे दी गई तालिकाएँ वर्षेश्वर की उपाधि के लिए योग्य पंचाधिकारी ग्रहों, उनके पंचवर्गीय बल और वर्ष लग्न पर उनके दृष्टि को दर्शाती है।

नीचे दी गई तालिका 24th वर्ष के लिए पंचाधिकारियों को दर्शाती है:

स्वामी	ग्रह	विंशोपक	लग्न पर दृष्टि
मुंथा स्वामी	मंगल	10.21	मैत्रीपूर्ण
जन्म लग्न स्वामी	गुरू	9.82	शत्रुतापूर्ण
वर्ष लग्न स्वामी	मंगल	10.21	मैत्रीपूर्ण
त्रि-राशि स्वामी	मंगल	10.21	मैत्रीपूर्ण
दिन-रात्रि स्वामी	शुक्र	9.55	तटस्थ

पंचाधिकारियों में मंगल की शक्ति सबसे अधिक है, जिससे इसे वर्षेश्वर या वर्ष का स्वामी दार्जित किया जाता है।

चूंकि वर्षफल कुंडली में मंगल वर्षेश्वर के रूप में मध्यम शक्ति वाला है, इससे जातक को औसत स्तर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। हालाँकि संपति और व्यवसाय में प्रगति होने के कारण कुछ लाभ भी हो सकते हैं, फिर भी इन उपलब्धियों की चमक शारीरिक चुनौतियों जैसे रक्त से जुड़ी बीमारियाँ, छालें और दुर्घटना, किसी हथियार से चोट लगने की संभावना होने के कारण फीकी पड़ सकती हैं। क्रोध और अंहकार सबंधी विकार भी उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे अन्य लोगों से विवाद हो सकता है। ऐसे जातक को कुछ कठिनाईयों जैसेकि चोरी, बदनामी होना और संपूर्णतौर पर जीवन में ख़ुशहाली में गिरावट होना का सामना करना पड़ सकता है, जबकि उनके मूल स्वभाव के कारण कुछ राहत प्राप्त हो सकती है। स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएँ, विशेष रूप से रक्त से जुड़े विकार और मूत्र सबंधी समस्याएँ भी कठिनाईयों का कारक हो सकती हैं।

नीचे दी गई तालिका 25th वर्ष के लिए पंचाधिकारियों को दर्शाती है:

स्वामी	ग्रह	विंशोपक	लग्न पर दृष्टि
मुंथा स्वामी	गुरू	14.89	तटस्थ
जन्म लग्न स्वामी	गुरू	14.89	तटस्थ
वर्ष लग्न स्वामी	शनि	11.67	तटस्थ
त्रि-राशि स्वामी	गुरू	14.89	तटस्थ
दिन-रात्रि स्वामी	शुक्र	10.57	मैत्रीपूर्ण

पंचाधिकारियों में शुक्र की शक्ति सबसे अधिक है, जिससे इसे वर्षेश्वर या वर्ष का स्वामी दार्जित किया जाता है।

चूंकि, वर्षेश्वर के रूप में शुक्र अपने मध्यम प्रभाव की स्थिति में है तो, इससे संबंधित जातकों के जीवन में व्यक्तिगत स्थिरता के स्तर पर और वित्तीय स्थिरता के स्तर पर समस्याएं आ सकती हैं। जातकों को मानसिक तनाव और चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उनकी आय में कमी आ सकती है और उनकी सुख-सुविधा में भी कमी आ सकती है। जातकों को अपने जीवन साथी के साथ या करीबी रिश्तों में गलतफहमी की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इस योग में ऐसी संभावना है कि संबंधित जातकों को अपनी प्रतिष्ठा और स्वास्थ्य के स्तर पर चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है। जातक की आय की स्थिति औसत हो सकती है और विरोध करने वाले लोग बढ़ सकते हैं जिसकी वजह से इन्हें मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जातक का पूरा स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और भावनात्मक भार की वजह से इनका जीवन प्रभावित हो सकता है। परिजनों से संबंधित मामलों की वजह से जातक को दुःख झेलना पड़ सकता है। एक समय के बाद जातक के मन में ऐसे भाव आ सकते हैं कि आतंरिक शांति आदि की बातें उसी झूठी लगें। इसलिए, इस समयावधि में यह अति महत्त्वपूर्ण है कि संबंधित जातक कोई भी निर्णय लेते समय सावधानी बरतें और धैर्य बनाकर रखें।

मुंथा

मुंथा, जिसे प्रगति किया हुआ लग्न के रूप में माना जाता है, वर्ष कुंडली में एक महत्वपूर्ण कारक है। यह जन्म के समय व्यक्ति के लग्न से प्रारम्भ होता है और प्रत्येक वर्ष एक भाव आगे बढ़ता है।

25th वर्ष के लिए, मुंथा आपकी वार्षिक कुंडली में 11th भाव में, धनुष राशि में है। परिणामस्वरूप, गुरू, धनुष राशि का स्वामी होने के कारण, मुंथेश (मुंथा का स्वामी) बन जाता है, और धनुष मुंथा बन जाता है।

24th वर्ष के लिए मुंथा 1st भाव में, वृश्चिक राशि में है, तथा मुंथेश मंगल है।

मुंथा का प्रभाव

प्रथम भाव में मुंथा, वृश्चिक, 24th वर्ष में

आपकी वार्षिक कुंडली में 1st भाव में स्थित मुंथा से सद्भाव, खुशी और अन्य सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है, बशर्ते आप इसके लिए व्यक्तिगत प्रयास करें।

मुंथा की उपस्थिति यदि पहले भाव में है तो इस अवधि के दौरान संबंधित जातक को महत्वपूर्ण विजय की प्राप्ति और उच्च पद पर सुशोभित होने के अवसर प्राप्त होने की उम्मीद की जा सकती है। जातक द्वारा किए जाने वाले प्रयास सफल होंगे। जातक अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकेगा और उसे सम्मान व पहचान दोनों ही प्राप्त होगी। जातक को अपने अधिकारियों से अनुग्रह प्राप्त होने की वजह से नौकरी के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं या फिर जातक को अपनी आय बढ़ाने के अतिरिक्त स्रोत भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे जातक की संपत्ति में वृद्धि होगी और जातक को अतिरिक्त कमाई भी होगी। जातक द्वारा किए जाने वाले मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा। जातक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हालांकि, जातक की व्यक्तिगत परिस्थितियां कुछ स्तर पर बदल सकती हैं। जैसे कि, जातक को अपने निवास स्थान में बदलाव करना पड़ सकता है। या फिर, जातक को किसी बच्चे के पैदा होने की खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। इस तरह के शुभ संकेत समय अवधि में प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही जातक जब इन सभी प्रकार के बदलावों को सही ढंग से व्यवस्थित कर लेगा तो उसको अपने शत्रुओं का भी सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, जातक की स्थिति मजबूत होगी और वह अपने शत्रुओं की चुनौतियों को आसानी से पार कर सकता है। जातक से यह उम्मीद की जाती है कि वह इस अनुकूल समय का पूरा लाभ उठाएं। क्योंकि, यह समय उसके करियर में उन्नति प्रदान करने वाली है। साथ ही, यह समय अन्य सभी प्रकार की समृद्धि प्रदान करने वाला है। जातक की प्रतिष्ठा मजबूत होगी और जातक संतुष्टि भरे मन से अपनी भविष्य की तरफ आगे बढ़ सकता है।

एकादश भाव में मुंथा, धनुष, 25th वर्ष में

मुंथा आपकी वार्षिक कुंडली में 11th भाव में स्थित है, जिसे अत्यधिक शुभ माना जाता है, नीचे दी गई भविष्यवाणियों में सद्भाव, खुशी और अन्य अतिरिक्त सकारात्मक परिणाम लाने की उम्मीद है।

मुंथा के ग्यारहवें भाव में होने की स्थिति में जातक को अपने चारों तरफ सकारात्मक स्थिति और लाभ प्राप्त होने के अनगिनत अवसर प्राप्त होने जैसा अनुभव प्राप्त हो सकता है। जातक को अपने बड़े भाई-बहनों, मित्रों और अपने बाल बच्चों सहित प्रियजनों के साथ खुशी मनाने और उनका सहयोग प्राप्त होने की संभावना बनती है। इस अवधि में जातक को बच्चों की प्राप्ति का सुख प्राप्त हो सकता है। यदि कोई समस्या लंबे समय से चली आ रही है तो उसका भी समाधान हो सकता है। इससे घर की शांति बढ़ेगी। जातक की मानसिक शांति में भी वृद्धि होगी। जातक का मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों में ही महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद की जा सकती है। इसके साथ ही जातक को अपने समाज में सम्मान और प्रसिद्धि मिलने की भी संभावना है। जातक द्वारा किए जाने वाले राजनीतिक प्रयास सफल होने की संभावना है। इस सफलता से वह अपनी महत्वाकांक्षाएं और इच्छाओं को पूरा कर सकता है। नए लोगों के साथ जातक का सामाजिक संपर्क भी बढ़ने की संभावना है। साथ ही सरकार के सहयोग से और परिवार के समर्थन से जातक को अपने व्यवसाय और व्यापार में आगे बढ़ने की संभावनाएं प्राप्त होगी। जातक द्वारा किए जाने वाले कठोर मेहनत का भी फल प्राप्त होगा। जातक को आराम प्राप्त होगा और सफलता भी मिलेगी। जातक को जीवन में मिलने वाली खुशियों को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। साथ ही, उसके द्वारा किए जाने वाले सभी प्रयास उसके जीवन के विभिन्न पक्षों में खुशियों को बढ़ाएंगे और एक पूर्णता प्रदान करने की दिशा में ले जाएंगे।

मुंथा के स्वामी

24th वर्ष में नवम भाव में मुंथेश मंगल

जैसा कि मुन्थेश नवें भाव को सुशोभित कर रहा है तो ऐसी उम्मीद कर सकते हैं कि आपको आध्यात्मिक विकास और ज्ञान से पूर्ण समय की प्राप्ति होने वाली है। इस स्थिति द्वारा आपकी रुचि उच्च शिक्षा के प्रति और दार्शनिक खोज के प्रति बढ़ती है, इसलिए खोज करने और स्वयं को जानने की दृष्टि से यह समय बहुत उपयुक्त बन जाता है। कुछ बेहतर यात्राओं और तीर्थ यात्राओं द्वारा अपने नजरिए को विस्तृत करने का मौका मिल सकता है और दुनिया के बारे में आपकी समझ बढ़ सकती है। जीवन जीने का उद्देश्य नेक कार्यों और धर्म कार्यों में प्रतिबद्धता बढ़ने की वजह से बढेगा और धन की प्राप्ति से आकांक्षाओं को पूरा करने में सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में शामिल होने की वजह से और सकारात्मक विचारों को अपनाने की वजह से आपका स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है और भावनात्मक स्तर पर स्थिरता भी प्राप्त हो सकती है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि, इस स्थान पर मुंथा के आने की वजह से समृद्धि, प्रसिद्धि और पर्याप्त वित्तीय लाभ प्राप्त होता है और व्यक्तिगत एवं आध्यात्मिक संतुष्टि का मार्गदर्शन भी मिलता है।

25th वर्ष में षष्टम भाव में मुंथेश गुरू

आपके छठे भाव में मुन्थेश की स्थिति होने की वजह से कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है, इनमें विरोधियों से संबंधित किसी प्रकार का भय हो सकता है और इसकी वजह से तनाव बढ़ सकता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपना आत्मविश्वास बनाकर रखें और विश्वासपात्र सहयोगियों द्वारा सहायता लेने पर ध्यान दें। रूपए-पैसे के मामले में सावधान रहें, क्योंकि ऐसी संभावना है कि आपकी प्रवृत्ति बहुत ज्यादा खर्च करने वाली हो सकती है या किसी चोरी की वजह से नुकसान हो सकता है। खर्च करते समय बुद्धिमानी से काम लें और अपने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से पहले उसका बजट बनाकर रखना उचित होगा। साथ ही, आप जिस तरह के लोगों की संगति में रहते हैं उनके प्रति सचेत रहना भी महत्वपूर्ण है, नकारात्मक प्रभाव वाले लोगों से जुड़ने की वजह से आपको अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आपको कुछ बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए जरूरी है कि अपने सेहत को प्राथमिकता दें, स्वस्थ्य जीवन शैली अपना कर और स्वास्थ्य की नियमित जांच द्वारा जोखिमों को कम करने में सहायता मिल सकती है। सक्रिय कदम उठाते हुए आप जीवन से जुड़ी चुनौतियों से निपट सकते हैं और अत्यधिक संतुलित और संयमित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

ग्रह के भाव

नीचे दी गई तालिकाएं आपके 24th और 25th वर्षों के वर्षप्रवेश के दौरान वार्षिक कुंडली में ग्रहों की स्थिति दर्शाती हैं, और उनके नीचे प्रत्येक वर्ष के लिए ग्रह-भावों की भविष्यवाणियां हैं।

ग्रह	24th वर्ष		25th वर्ष	
	भाव	राशि	भाव	राशि
सूर्य	12	तुला	9	तुला
चंद्र	7	वृषभ	8	कन्या
बुध	1	वृश्चिक	10	वृश्चिक
शुक्र	2	धनुष	9	तुला
मंगल	9	कर्क	10	वृश्चिक
गुरू ℞	7	वृषभ	6	कर्क
शनि	4	कुम्भ	2	मीन
लग्न	1	वृश्चिक	1	कुम्भ
राहु ℞	5	मीन	1	कुम्भ
केतु ℞	11	कन्या	7	सिंह

द्वादश भाव में सूर्य (24th वर्ष)

आपके बारहवें भाव में सूर्य की स्थिति होने की वजह से आपको खर्च और स्वास्थ्य से संबंधित कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं जिनपर आपको ध्यान देने की जरूरत है। आपको सर दर्द, आंखों की समस्या और पेट में तकलीफ होने जैसी स्वास्थ्य की समस्याएं आ सकती हैं, इनकी वजह से अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और आवश्यकता पड़ने पर डॉक्टर से सहायता लेना महत्वपूर्ण है। अत्यधिक पैसे खर्च होने की समस्या को कम करने के लिए आप जरूरी खर्चों का हिसाब रखें, बजट बनाएं और जल्दबाजी या आवेग में खरीदारी करने से बचें। अपने जीवनसाथी व मां के साथ जुड़े व्यक्तिगत संबंधों में आने वाली संभावित निराशा के प्रति सतर्क रहें, धैर्य बनाकर रखें और स्पष्ट बातचीत करने की कोशिश करें, इस समझदारी से सद्भावना बनाने में सहयोग मिलेगा। अपनी ईमानदारी के व्यवहार को मजबूत रखें क्योंकि यदि आप पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं तो, इस स्थिति में दूसरों का समर्थन पाने के लिए साक्ष्यों को एकत्रित करने पर ध्यान दें। हालांकि, इस स्थिति की वजह से आपको धन का नुकसान हो सकता है और परेशानी भी आ सकती है। पुण्य या धार्मिक कार्यों में शामिल होने की वजह से आपको सांत्वना प्राप्ति होगी, साथ ही आपके अंदर उद्देश्य पूर्ण जीवन की भावना भी बढ़ेगी। अपने मृदुल स्वभाव और सकारात्मक दृष्टिकोण से इन सभी समस्याओं को का समाधान करने में मदद मिलेगी, इससे इन चुनौतियों का सामना सक्रियता से कर सकेंगे।

चूंकि, इस भाव में शुभ ग्रह सूर्य को प्रभावित करते हैं जिसकी वजह से आपकी रूचि धार्मिक कार्यों में बढ़ सकती है और आप पुण्य के कामों में या धार्मिक कामों में पैसे खर्च कर सकते हैं।

नवम भाव में सूर्य (25th वर्ष)

आपके नौवें भाव में यदि सूर्य स्थित है तो इससे भाग्योदय, प्रसिद्धी प्राप्ति और आध्यात्मिक विकास जैसे महत्वपूर्ण फल प्राप्ति की उम्मीद कर सकते हैं। यह भाव अपोक्लिम भाव है जो प्रगति और पहचान प्राप्त होने की शक्ति को इंगित करता है, लेकिन यह परिणाम बहुत सीमा तक इस पर निर्भर करता है कि आपकी संगति किस तरह के लोगों के साथ है। आपको लाभ की प्राप्ति होगी और इस प्रभाव से सकारात्मक अनुभव मिलेंगे, पुण्यकर्म करने, संतुष्टि प्रदान करने वाली यात्राएं करने का मौका मिलेगा और जीवनसाथी, बच्चों से सुख की प्राप्ति होगी। अपने बड़े-बुजुर्गों से सम्मान व स्वीकृति मिल सकती है और यह आपके सर्वांगीण समृद्धि में सहयोग करेगा। हालांकि, हानिकारक प्रभावों के प्रति सावधान रहें इनकी वजह से आपके रिश्तों में संघर्ष शुरू हो सकता है, ख़ासकर जीवनसाथी के साथ, धन और बच्चों से संबंधित चुनौतियां बढ़ सकती हैं। आपको अपनी आय में गड़बड़ी दिख सकती है, भाई-बहनों से परेशानी हो सकती है और इस तरह की नकारात्मक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि, आपको सकारात्मक संबंधों पर ध्यान देते हुए इस अवधि को समझते हुए काम करने की जरूरत है, इससे आपको सफलता और खुशी प्राप्त होने की संभावनाएं बढेंगी।

चूंकि, लाभकारी ग्रहों से यह भाव जुड़ा हुआ है और प्रभावित हो रहा है इसलिए अच्छे काम करने, व्यावसायिक लाभ प्राप्त होने, बड़े बुजुर्गों से कृपा प्राप्त होने, जीवनसाथी, बच्चों और दोस्तों से खुशी प्राप्त होने के साथ-साथ सर्वांगीण समृद्धि और कल्याण प्राप्त होने का फल प्राप्त हो सकता है।

चूंकि, यह भाव पाप ग्रहों से जुड़ा हुआ है इसलिए यह असफल होने, आय में कमी आने, निराश होने, यात्रा में कठिनाई होने, भाई-बहनों के साथ संघर्ष बढ़ने का कारण बन सकता है, इन वजहों से इन क्षेत्रों में संकट आ सकता है और असफलता भी प्राप्त हो सकती है।

सप्तम भाव में चंद्र (24th वर्ष)

आपके सप्तम भाव में चंद्रमा के होने से, आपके व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में सरकार द्वारा मान्यता मिलने से अच्छी पदोन्नति हो सकती है। आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा, जिससे आप सुख का अनुभव करेंगे। आपको घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों, विशेष रूप से यात्रा के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा। जलीय वस्तुओं का व्यापार करने से अत्यधिक लाभ हो सकता है। विपरीत लिंग के साथ सम्बन्ध आपके जीवन में स्नेह और रोमांस ला सकते हैं, जिससे संभवतः विवाह भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, यह स्थान शिक्षा और व्यावसायिक उपक्रमों में सुधार करता है। हालाँकि, यदि चंद्रमा पीड़ित है, तो आप और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव पैदा हो सकता है, जिससे संभावित रूप से खिन्नता और स्वास्थ्य सम्बन्धी चिंताएँ हो सकती हैं। संभावित नुकसान से बचने व लाभों का पूरा आनंद लेने के लिए बेहतर संबंधों को विकसित करने और संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दें।

चन्द्रमा के इस भाव में पाप ग्रहों से पीड़ित होने से जीवनसाथी के तनाव उत्पन्न हो सकता है जिससे जातक और उनके साथी दोनों को बीमारी का खतरा हो सकता है। चन्द्रमा के पीड़ित होने से रिश्ते में तनाव और परेशानियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।

अष्टम भाव में चंद्र (25th वर्ष)

चंद्रमा के आपके आठवें भाव में स्थित होने से, आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपकी भावनात्मक और वित्तीय स्थितियाँ प्रभावित हो सकती हैं। महत्वपूर्ण वित्तीय संकट उत्पन्न हो सकता है, जिससे संभावित रूप से धन और आय की हानि हो सकती है। अपने खर्चों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने से इन कठिनाइयों से निपटने में मदद मिल सकती है। पेट दर्द, आँखों की बीमारियाँ और श्वसन संबंधी समस्याएँ जैसी स्वास्थ्य समस्याएँ भी हो सकती हैं; अपनी देखभाल करने और चिकित्सकीय सलाह लेने से राहत मिल सकती है। भावनात्मक अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप खिन्नता और मानसिक पीड़ा हो सकती हैं। बेहतर सामाजिक संपर्क बनाना और ऐसे सम्बन्ध बनाना जो आपकी सहायता करें, आपके लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके अतिरिक्त विरोधी प्रभावी रहेंगे, जिससे तनाव पैदा हो सकता है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, अपने कार्यों में ईमानदारी बनाए रखने पर ध्यान दें और विपरीत प्रभावों को कम करने के लिए शुभ प्रभावों की तलाश करें। सक्रिय कदम उठाकर, आप अपनी दृढ़ता को बढ़ा सकते हैं और अपने दृष्टिकोण को बेहतर बना सकते हैं।

चूँकि चंद्रमा इस भाव में अच्छी स्थिति में है, इसलिए यह आने वाली चुनौतियों से कुछ राहत दिला सकता है।

प्रथम भाव में बुध (24th वर्ष)

बुध के आपके प्रथम भाव में स्थित होने से बुद्धि और भाग्य में पर्याप्त वृद्धि हो सकती है, जिससे प्रसिद्धि, बेहतर प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति होती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और मानसिक शांति बानी रहेगी, जिससे आप आसानी से बाधाओं को दूर कर सकेंगे। आपके विरोधी परास्त होंगे और आप नए व्यावसायिक उपक्रमों की सफल शुरुआत भी कर सकते हैं, जिससे वित्तीय लाभ प्राप्त होंगे व मूल्यवान नए संपर्क स्थापित होंगे। आप संपत्ति अर्जित करने और मानसिक संतोष प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपके व आपके परिवार में सुख-सुविधाओं की वृद्धि होगी। हालाँकि, यदि बुध पीड़ित है, तो सावधान रहें, क्योंकि इससे पारिवारिक कलह, बीमारी और आराम में बाधा उत्पन्न हो सकती है। अपना ध्यान बनाए रखें, क्योंकि आपकी बुद्धि आपके व्यवसाय, स्थिति और खुशी को बढ़ाने में मदद करेगी, जिससे यह समृद्धि और प्रभाव का समय बन जाएगा।

चूँकि इस भाव में बुध पाप ग्रहों से पीड़ित है, इसलिए यह पारिवारिक कलह, बीमारी और आराम की कमी का कारण बन सकता है, जिससे मन अशांत हो सकता है और आपके कल्याण में व्यवधान हो सकता है।

दशम भाव में बुध (25th वर्ष)

बुध के आपके दसवें भाव में होने से, आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रसिद्धि, प्रगति और सफलता सहित उत्कृष्ट परिणाम मिलते हैं। आपको आपके व्यावसायिक प्रयासों से महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं, साथ ही पदोन्नति भी हो सकती है, नए वाहन के भी योग हैं साथ ही धन में वृद्धि भी हो सकती है। सरकार से भी सहायता प्राप्त हो सकती है, परिणामस्वररूप आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा व मित्रों के बीच खुशी बढ़ेगी।

अपने व्यावसायिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी व आगे धन संचय होगा। इसके अतिरिक्त, आपके जीवन को समृद्ध करने वाले धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। हालाँकि, यदि चुनौतियाँ आती हैं, तो वरिष्ठअधिकारियों के साथ संभावित विवाद से सावधान रहें। कुल मिलाकर, इस अवधि में आपके करियर में उन्नति व प्रगति हो सकती है, जिससे आपके सभी प्रयास सफल व समृद्ध होंगे।

चूँकि बुध इस भाव में पीड़ित है, इसलिए यह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कलह का कारण बनता है, जिससे व्यावसायिक सम्बन्धों में संघर्ष और चुनौतियाँ आती हैं।

द्वितीय भाव में शुक्र (24th वर्ष)

आपके दूसरे भाव में शुक्र के होने से, आपको विदेशी उपक्रम से खुशी मिलने के साथ-साथ प्रचूर मात्रा में धन व समृद्धि की प्राप्ति भी हो सकती है। आपको अपनी समृद्धि को और अधिक बढ़ाने वाले के लिए पशुधन को खरीदने का अवसर प्राप्त हो सकता है। यह समय करियर में विकास के लिए सबसे अनुकूल है। आपका अपने पति-पत्नी के साथ रिश्तों में सुधार आएगा, जिससे आपके घरेलु जीवन में सौहार्द पैदा होगी, यद्यपि आपके शत्रुओं की संख्या में कमी आएगी इस तरह सहज संवाद के मार्ग खुलेंगे। नए परिचितों के आगमन से आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि की आशा की जाती है जिससे आपके उत्साह में वृद्धि होगी और आपको संतुष्टि प्राप्त होगी। आपकी उदारता आपको सभी तरह की सुख-सुविधाएँ दिलाएगी और आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति का आनंद लेगें।

आपकी सफलता प्राप्ति में मित्र अहम भूमिका अदा करेगें, जिससे आपके धन में प्रचुर वृद्धि होगी और व्यवसाय में सफलता मिलेगी। महिलाओं के साथ आपके सबंध आपके लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगें और वाहन की प्राप्ति होने से आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। कुल मिलाकर, यह अवधि आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने वाली और खुशियों से भरी होगी। यह लक्ष्य प्राप्ति और कीमती परिसंपति के संचय की ओर संकेत करती है।

नवम भाव में शुक्र (25th वर्ष)

शुक्र के नौवे भाव में होना प्रचुर मात्रा में खुशियों और आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता प्राप्त होने को सुनिश्चित करता है। आप व्यवसाय या व्यापार में वृद्धि, लोकप्रियता बढ़ना व शोहरत और वित्तीय स्थिति दोनों में वृद्धि होने की आशा कर सकते हैं। यात्रा करना फलदायी सिद्ध होगा, जिससे ज्ञान के साथ संपति और आपके परिवार के बीच बेहतर तालमेल आएगा। व्यवसायिक रूप से, शुक्र आपके ओहदे में वृद्धि करने के साथ, करियर में विकास, आर्थिक समृद्धि और प्रयत्नों से सफल होने का विश्वास दिलाता है। शुक्र की मौजूदगी आपके परिवार के बीच संतोष, जीवनसाथी और संतान से खुशी प्राप्त होना भी सुनिश्चित करती है। यात्रा करना फलदायी साबित हो सकता है और मीडिया या टेलिविज़न से जुड़े प्रोजेक्ट्स से आपको लाभ प्राप्त होगा, जिससे आपको अधिक उपलब्धियाँ और पहचान मिल सकती है।

नवम भाव में मंगल (24th वर्ष)

मंगल के नौवे भाव में होने से, आपको कई चुनौतियों का अनुभव करना पड़ सकता है जो जीवन के कई क्षेत्रों में आपकी उन्नति में बाधा पहुँचा सकती हैं। आपके लक्ष्य में संभावित बाधाएँ आ सकती है, जिससे आप निराश और लक्ष्यहीन होने का अनुभव कर सकते हैं। आप यात्राएँ करने में बहुत अधिक व्यस्त हो सकते हैं, जिससे कुछ लाभ प्राप्त होगें, परिणामस्वरूप बिना किसी सटिक परिणाम के खर्चो में वृद्धि हो सकती है। अपने खर्चों पर सावधानीपुर्वक ध्यान देना आवश्यक होगा जिससे अनावश्यक हानियाँ और निराशा होने से बचा जा सकें। भाई-बहनों के साथ तनावपुर्ण रिश्तें उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे गंभीर तनाव उत्पन्न होगा जो आपके पूरे स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है। इन मुश्किलों का सामना करने के लिए, अपने परिवार के साथ खुले तौर पर बातचीत करने पर जोर दें और विवाद बढ़ाने के बजाय सबंधों को गहरा बनाने की कोशिश करें। इसके अतिरिक्त, स्वयं की देखभाल करने का अभ्यास करने और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने से आपको इस अशांत अवधि को रोकने में मदद मिलेगी, जो सुनिश्चित करता है कि आप चुनौतियों का सामना करने में निश्चित होगें और द्रढ संकल्पों के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

दशम भाव में मंगल (25th वर्ष)

मंगल के आपके दसवें भाव में होने पर, केरियर में ख़ास प्रगति और व्यवसायिक सफलता की आशा की जाती है। इस स्थिति द्वारा उच्च वर्ग के अधिकारियों का समर्थन प्राप्त होता है, जिससे पदोन्नति और आर्थिक खुशहाली आ सकती है। आपको अपने वरिष्ठ लोगों द्वारा पहचान और मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे आपका आत्मविश्वास और पद-प्रतिष्ठा को बढ़ सकती हैं। मंगल की उर्जा आपके द्रढ निश्चय में वृद्धि कर सकती है, जो आपके विरोधियों का सामना करने में मदद करता है और आपके कार्य में प्रबलता को सुरक्षित करता है। आपके आर्थिक हालात में बदलाव होने लगता है, जो आपकी संपति के साथ साथ आपकी सेहत और जीवन में सुधार आने लगता है, इससे आपके चेहरे पर लालिमा भी बढ़ने लगती है। हालाँकि, किसी विवाद का केंद्र बनने से सावधान रहें, क्योंकि मंगल का प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार से ध्यान आर्कषित कर सकता है। कुलमिलाकर, यह सफलता, केरियर बेहतर होने, और खुशहाली और विकास के अवसरों के साथ जीवन के कई क्षेत्रों में निजी पूर्ति होने का समय है।

सप्तम भाव में बृहस्पति (24th वर्ष)

गुरु के आपके सप्तम भाव में रहने से धन-संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। सुखद यात्रा के अवसर मिल सकते हैं, साथ ही सरकारी अधिकारियों से सहयोग मिल सकता है। आपके जीवनसाथी से खुशी व सहयोग मिलेगा, जिससे आपका पारिवारिक जीवन सौहार्दपूर्ण रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी जिससे सुख-शांति व सुरक्षा की भावना में वृद्धि होगी।

सुखद व लाभदायी यात्राओं के लिए तैयार रहें, इससे न केवल धन लाभ होगा बल्कि अचानक खुशियाँ भी आऐंगी। वाहन भी खरीद सकते हैं। व्यावसायिक उन्नति से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यह समय नए सम्बन्ध बनाने के लिए उत्तम है, जिससे आपकी पहचान व गरिमा में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर, आपको व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में लाभ मिलेगा, जिससे आपका जीवन सुखी व समृद्ध होगा।

षष्टम भाव में बृहस्पति (25th वर्ष)

गुरु के आपके छठे भाव में होने से आपको स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके सम्बन्ध भी ख़राब हो सकते हैं। परिवार और करीबी मित्रों से झगड़े हो सकते हैं, जिससे मन अशांत रह सकता है व बेचैनी बढ़ सकती हैं। शत्रुओं की संख्या बढ़ सकती है, जिससे कानूनी उलझनें बढ़ सकती हैं। इससे आपकी ऊर्जा और संसाधनों का क्षय हो सकता है। स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं, विशेषकर आँखों और पेट की तकलीफ़ हो सकती है, जिससे आप कमजोर हो सकते हैं। इन समस्याओं का मुकाबला करने के लिए अपने सम्बन्धों को बेहतर बनाऐं और प्रेम और समझ के साथ परेशानियों को दूर करें। इसके अतिरिक्त, नियमित जाँच करवाएं। अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाएँ व अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आध्यात्मिक या धार्मिक कार्यों में शामिल हों, जिससे आपका मन शांत हो व आप आगे आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।

चतुर्थ भाव में शनि (24th वर्ष)

शनि के चौथे भाव में होने से आपके पारिवारिक जीवन में परेशानियाँ आ सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य ख़राब हो सकता है, जिससे आपकी चिन्ताऐं बढ़ सकती हैं व आपको तनाव हो सकता है। आर्थिक समस्याएँ सामने आ सकती हैं, सम्पत्ति में हानि हो सकती है व वाहन से भी हानि हो सकती है। संपत्ति या ज़मीन से जुड़े विवाद भी हो सकते हैं, जिससे आप कानूनी कार्यवाहियों में फंस सकते हैं। इस अवधि में विदेश यात्रा करने से बचें, क्योंकि इससे आपका तनाव बढ़ सकता है। इन समस्याओं को कम करने के लिए अपने परिवार के सदस्यों के साथ स्वास्थ्य तथा धन से सम्बन्धित परेशानियों के बारे में स्पष्ट बातचीत करें। अपने रहन-सहन का नियमित आकलन करें। आपके निवास स्थान में भी परिवर्तन हो सकता है। अपने आपको मानसिक रूप से सन्तुलित रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर अपने परिवार के सदस्यों व मित्रों आदि से सहयोग लें, इससे आप इन परेशानियों को दूर कर पाएंगे।

द्वितीय भाव में शनि (25th वर्ष)

जब शनि आपके दुसरे भाव में होता है तो आपको अचानक व कम मेहनत में धन-लाभ हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मज़बूत होगी। अपने पारिवारिक सम्बन्धों पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि परिवार के सदस्यों के साथ आपके झगड़े हो सकते हैं, विवाद हो सकता है तथा आपके सम्बन्ध खराब हो सकते हैं। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें, आपको आँखों की समस्याएँ हो सकती हैं। इसके अलावा आप झूठे आरोपों में भी फंस सकते हैं साथ ही सम्बन्धों में ग़लतफहमियाँ भी हो सकती हैं , जिससे आपकी सामाजिक छवि खराब हो सकती है। यदि आप इन परेशानियों से निजात पाना चाहते हैं तो परिवार व मित्रों के साथ स्पष्ट बात करें व विवादों से बचें। धैर्य रखें और अपने खर्चों को नियंत्रित करें, जिससे आप भविष्य में होने वाले नुकसान व विरोध से बच सकते हैं। सतर्क रहें व अपने सम्बन्धों को बेहतर बनाऐं, इससे आप आने वाली परेशानियों को दूर कर सकेंगे।

पंचम भाव में राहु (24th वर्ष)

राहू के पांचवें भाव में होने पर आपके बौद्धिक काम-काज और भावनात्मक स्वास्थ्य के संबंध में चुनौतियां आ सकती हैं। आप अपने अध्ययन में बाधायें और अनुमान में संभावित हानि महसूस कर सकते हैं, जिससे वित्तीय तनाव पैदा हो सकता है। पेट की बीमारियां और मानसिक संताप भी पैदा हो सकते हैं, जिससे चिंता और असंतोष की भावना पैदा हो सकती है। इसके अलावा, राहू की उपस्थिति दुश्मों के साथ तनावों को और बढ़ा सकती है और बिना-वजह के डर उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे मानसिक तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि, अगर आप लाभकारी प्रभावों की ऊर्जा को नियंत्रित कर सकें, तो सकारात्मक नतीजों की संभावना है, जिसमें आपके बच्चों की ख़ुशी और एक बच्चे का जन्म शामिल है। यह अवधि आपके मानसिक स्वास्थ्य और वित्तीय निर्णयों की व्यवस्था करने के लिए सावधानी की अपेक्षा करती है, चूंकि इन चुनौतियों को जीतने से लंबी अवधि में विकास और लचीलापन शामिल हैं।

चूंकि राहू इस भव में लाभकारी प्रभावों के अधीन है, इससे घर में पुत्र का जन्म हो सकता है, धन में वृद्धि हो सकती है, और विरोधियों पर आपका प्रभाव बढ़ सकता है।

प्रथम भाव में राहु (25th वर्ष)

पहले भाव में स्थित राहू भावनात्मक उथल-पुथल और मानसिक तनाव ला सकता है। आप अपने काम में बाधाओं का सामना कर सकते हैं, जिससे निराशा और देरी हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ, विशेष रूप से आँखों से संबंधित, सिर में दर्द, और जख्म होना आदि पैदा हो सकती हैं। दुश्मनों का डर बढ़ सकता है, जिससे आपका तनाव का स्तर बढ़ेगा, और विशेष परिस्थितियों में आप अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान में कमी महसूस कर सकते हैं। इन प्रभावों को कम करने के लिए, यह महत्त्वपूर्ण है कि आप अपनी जमीन से जुड़े रहें, भावनात्मक नियंत्रण कायम रखें, और गैर-जरुरी विवादों से बचें। इसके आलावा, बहुत अधिक खर्चे करने के प्रति सावधान रहें और अपने जीवन-साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, क्योंकि वे भी कुछ शारीरिक परेशानियां महसूस कर सकते हैं। तनाव को नियंत्रित करना और अपने समग्र विकास पर ध्यान देना आपको इस अवधि में चुनौतियों का सामना करने में मदद करेंगे।

एकादश भाव में केतु (24th वर्ष)

केतु का गयारहवें भाव में गमन तंदरुस्ती, संपत्ति में वृद्धि और ग्रहस्थ सुख में वृद्धि की संभावना लेकर आता है। आपको व्यावसायिक उन्नति प्राप्त हो सकती है, व्यवसाय में लाभ होगा और लाभदायक यात्रा के अवसर मिलने की संभावना है। शेयर और सट्टेबाज़ी में मौका मिलने से आप वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है, जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ाएगी। हालाँकि, आपको सावधान रहने की ज़रुरत है, क्योंकि यह समय आपको जल्दी लाभ पाने की लालच में अनैतिक प्रथाओं, जैसे काला जादू या धोखे की ओर खींच सकता है। व्यवहार में ईमानदारी होना बहुत जरूरी है क्योंकि छोटे रास्ते के आकर्षण के चक्कर में बड़ी मुसीबतें झेलनी पड़ सकती हैं। सकारात्मक संबंधों संभालने और अपनी खुशी और समृद्धि को बढ़ाने के लिए अपने संसाधनों का सूझ-बूझ के साथ उपयोग करने पर ध्यान दें। वास्तव में लाभकारी अनुभव के लिए नैतिक रूप से संदिग्ध रास्तों से बचते हुए सकारात्मक बदलावों को अपनाएं।

सप्तम भाव में केतु (25th वर्ष)

केतु के सातवें भाव में स्थित होने के कारण, आप महसूस करेंगे कि आपके रिश्तों में, खासतौर से जीवनसाथी के साथ मतभेद बढ़ गए हैं। ऐसे संकट जो इस स्थिति के कारण उत्पन्न होती हैं, उनसे बचने के लिए खुलकर बातचीन करना और अपने जीवनसाथी को समझने पर ध्यान दें जिससे एकता बनी रहे। आपको अपनी वित्तीय स्थिति पर ध्यान जरूर देना चाहिए क्योंकि वित्तीय हानि होने की संभावना है, व्यर्थ खर्चे करने से बचने के लिए बजट बनाएं और अपने खर्चों पर ईमानदारी से नज़र रखने के बारे में सोचें। इसके साथ-साथ, संतुलित आहार लें नियमित जाँचें करा करें, खासतौर पर पेट के निचले हिस्से से संबंधित बीमारियों से बचें, अपनी और अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। बारंबार यात्राओं के कारण भी तनाव हो सकता है; अपनी यात्रा के दौरान आराम के क्षणों को भी शामिल करने की कोशिश करें। इन उद्यमी मापदंडों को अपनाकर, आप केतु द्वारा लाई गई अशान्ति से बच सकते हैं और आने वाले पलों को अधिक स्थिर और पूर्ण बना सकते हैं।

विंशोत्तरी मुद्दा दशा

वर्षफल में, दशा एक अवधि प्रणाली को दर्शाती है जो व्यक्ति के जीवन में घटनाओं के समय की भविष्यवाणी के लिए उपयोग की जाती है। इसकी गणना करने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: मुद्दा दशा, योगिनी दशा और पत्यायनी दशा, जिसमें मुद्दा दशा सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाती है। विशेष रूप से, विमशोत्तरी मुद्दा दशा का उपयोग वर्ष कुंडली में ग्रहों की अवधि निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जो वर्ष के लिए महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाता है। इसे पाराशरी प्रणाली की विमशोत्तरी दशा के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए, जिसका उपयोग जन्म कुंडली में आजीवन भविष्यवाणियों के लिए किया जाता है।

नीचे दी गई तालिका आपके 24th वर्ष के लिए ग्रहों की विंशोत्तरी मुद्दा दशा दर्शाती है।

ग्रह	प्रारंभ होगा	समाप्त होगा
मंगल	16 December, 2024	07 January, 2025
राहु	07 January, 2025	02 March, 2025
गुरू	02 March, 2025	20 April, 2025
शनि	20 April, 2025	17 June, 2025
बुध	17 June, 2025	07 August, 2025
केतु	07 August, 2025	29 August, 2025
शुक्र	29 August, 2025	29 October, 2025
सूर्य	29 October, 2025	16 November, 2025

मंगल (16 December, 2024 - 07 January, 2025)

मंगल आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में भी बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में मंगल की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में मंगल की महादशा शारीरिक और मानसिक शक्ति, भाई-बहनों के साथ संबंधों और साहस से चिह्नित एक चरण को उजागर करती है। यह चुनौतियों के बीच संघर्ष, प्रतिद्वंद्विता और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करता है।

मंगल की दशा मजबूत होने पर, आप विरोधियों पर विजय पाने और प्रतियोगी परिदृश्यों के साथ साथ नए रोजगार के अवसरों और नेतृत्व की भूमिकाओं की आशा कर सकते हैं। यह समय कई आर्थिक लाभों और आपके भाई-बहन के दायरों में वृद्धि कर सकता है। धन और सामाजिक दायरा बढ़ने के साथ साथ प्रभावशाली लोगों के द्वारा सहयोग बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि मंगल अनुकूल स्थिति में हो, तो आपकी पहचान, आत्मविश्वास और पराक्रम की अनुभूति का अनुभव होगा। आर्थिक समृद्धि सीमा पर होने से, आप विरोधियों के द्वारा की गई चुनौतियों का सामना प्रभावशाली ढंग से कर पाऐंगे, जिससे आप अपने चुने गए क्षेत्र में स्थान को स्थिर कर पाऐगें।

राहु (07 January, 2025 - 02 March, 2025)

राहु आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में मध्यम स्थिति में है। दोनों चार्ट में राहु की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में राहु की महादशा पैतृक संबंधों, छिपी चुनौतियों और परिवर्तनकारी अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करती है। यह स्वास्थ्य संघर्षों, जटिल मुद्दों और अपरंपरागत या बौद्धिक गतिविधियों से जुड़ाव को उजागर कर सकता है।

राहु की दशा कई बड़ी कठोर चुनौतियाँ ला सकती है। उसके प्रभाव के तहत, अधिकारियों द्वारा बाधाएँ, धोखा होने की आकांशा और यहाँ तक कि विवाद भी हो सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में गिरावट भी हो सकती है। ऐसे जातकों को चोरी से हानि या स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने के साथ साथ सबंधो से जुड़ी भावात्मक परेशानियाँ या प्रियजनों से नुकसान झेलना पड़ सकता है। हालाँकि, यदि राहु सकारात्मक स्थिति में हो तो राज-योग या धन योग का विन्यास हो सकता है, इससे आर्थिक लाभ या किसी अपरंपरागत तरीके से लाभ हो सकता है, हालाँकि ये प्रायः अस्थायी और छिपे हुए खर्चे के साथ आ सकते हैं। इस समय में सावधानी बरतने, लचीलापन और इसके अप्रत्याशित प्रभाव से निपटने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश की आवश्यकता होती है।

गुरू (02 March, 2025 - 20 April, 2025)

गुरू आपकी वार्षिक कुंडली में मध्यम शक्ति का है और आपकी जन्म कुंडली में कमज़ोर स्थिति में है। दोनों चार्ट में गुरू की संयुक्त शक्ति इसकी दशा के दौरान थोड़ा प्रतिकूल प्रभाव दर्शाती है।

वर्षफल में बृहस्पति की महादशा ज्ञान, आध्यात्मिक शिक्षा और मार्गदर्शन पर केंद्रित अवधि को दर्शाती है। यह अनुशासन, श्रद्धा, शास्त्रों का ज्ञान और आत्म-नियंत्रण जैसे गुणों पर जोर देती है।

जब बृहस्पति की दशा मध्य शक्ति की हो तो इस समयावधि के दौरान संबंधित जातकों को बड़े पद पर आसीन अधिकारियों के साथ मित्रता बढ़ाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे जातकों का नाम विख्यात हो सकता है, उनकी प्रसिद्धि और धन में वृद्धि होगी। जातकों को अपने इच्छित उद्देश्य को प्राप्त करने में आसानी होगी। वह बिना किसी तरह की चिंता किए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। हालांकि, इस अवधि के दौरान कुछ चुनौतियों के आने की भी संभावना है। जिसके प्रति सावधान रहने की जरूरत है। इन चुनौतियों में जातकों को स्वास्थ्य से संबंधित छोटी-मोटी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जातक को कान की बीमारी से संबंधित कोई समस्या हो सकती है। इसके अतिरिक्त जातक को किसी तरीके का अस्थाई रूप में धन का नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। यह अवधि इन असफलताओं के बावजूद भी जातकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। जातकों के अपने निजी मामले स्थिर रहेंगे। जातक चिंता से मुक्त रहेगा और अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दे सकेगा। साथ ही रिश्तों को मजबूत बनाने पर भी ध्यान दे सकेगा। जातकों को चाहिए कि इस अवधि के प्रभाव को वह अपने संबंधों को बढ़ाने और अपने आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को आगे ले जाने के रूप में उपयोग करे।

शनि (20 April, 2025 - 17 June, 2025)

शनि आपकी वार्षिक कुंडली में कमज़ोर है और आपकी जन्म कुंडली में भी कमज़ोर स्थिति में है। दोनों चार्ट में शनि की संयुक्त शक्ति इसकी दशा के दौरान प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाती है।

वर्षफल में शनि की महादशा धीरज, जिम्मेदारी और जीवन की सीमाओं के विषयों से चिह्नित एक चरण का प्रतिनिधित्व करती है। यह दीर्घायु, चुनौतियों, अनुशासन, सामाजिक भूमिकाओं और स्थिरता, और लचीलेपन से जुड़े अनुभवों पर जोर देती है।

अपनी दशा में शनि के मजबूत होने पर, कड़ी मेहनत के द्वारा खुशियों, संपति, और आय में ख़ास वृद्धि होने की आशा होती है। आपकी मेहनत फलदायी परिणाम प्रदान करवाएगी, विशेषरूप से बाहरी लोगों से पारस्परिक गतिविधियों द्वारा और कई समुदायों से सबंधों द्वारा। कृषि व्यापार, फैक्ट्रियों और बुढ़ी महिलाओं के साथ काम करने से अवसरों में वृद्धि होगी, जिससे वाहनों और पशुओं से लाभ प्राप्त हो सकेगा। विदेशी आमंत्रण और संधियों द्वारा आपकी आय में सकारात्मक रूप से योगदान प्राप्त होगा। यदि आपकी कुंडली में शनि उचित स्थिति में है तो आय और सम्मान दोनों में बढ़ोतरी होगी, जो आपके प्रयासों में समर्पण और द्रढता को दर्शाता है। अपनी सीमाओं को बढ़ाने और स्थायी संपर्क बनाने के लिए इस समय को अपनाए।

बुध (17 June, 2025 - 07 August, 2025)

बुध आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में भी बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में बुध की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में बुध की महादशा बौद्धिक विकास, वाक्पटुता और कुशल संचार पर केंद्रित समय को दर्शाती है। यह सीखने, विचारों की स्पष्टता और ज्ञान और सत्य की खोज पर जोर देती है।

बुध की दशा मजबूत होने पर, आप अपनी बौद्धिक खोजों और मनोरंजन के कार्यो में विशिष्ट बदलाव की आशा कर सकते हैं। यह चरण आपको एक अच्छे दोस्त की प्राप्ति कराएगा जो आपको प्रेरणा प्रदान करने के साथ आपकी उन्नति में सहयोग करेगा। आप कला, विज्ञान, गणित, और अध्यात्म जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त ज्ञान और हुनर प्राप्त करेंगे। दोस्तों, संरक्षकों या आपकी हाथ के लेखों द्वारा धन का प्रवाह होगा, आपके प्रियजनों द्वारा आराम आएगा। गणित, कला, और विज्ञान द्वारा यश प्राप्त होने का आशा है, क्योंकि आप विद्वान व्यक्तियों के साथ अर्थपूर्ण चर्चा में व्यस्त हो जाऐंगे। जब बुध अच्छी स्थिति में होता है, तो दोस्तों के द्वारा खुशी और लोकप्रियता के बढ़ने से आपकी उर्जाशक्ति और बढ़ जाएगी, जिससे आप व्यापार और अन्य उद्यमों में सफलता हासिल करेगें।

केतु (07 August, 2025 - 29 August, 2025)

केतु आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में भी बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में केतु की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में केतु की महादशा आत्मनिरीक्षण, गुप्त बीमारियों और आध्यात्मिक विकास से चिह्नित अवधि को दर्शाती है। इसमें रहस्यवाद, मुक्ति और अनसुलझे भावनात्मक मामलों में गहरी रुचि शामिल हो सकती है।

केतु की दशा के दौरान, अनदेखे जोखिम और कठिनाईयो के विरूद्ध और अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। अधिकारियों के साथ टकराव होने से सावधान रहें, क्योंकि इसमें वाद विवाद बढ़ सकता है, जिससे आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँच सकता है। ऐसे कार्यो को करने से बचें जिससे विवाद हो सकता है, क्योंकि ऐसी स्थितियाँ आपको कष्ट देने वाली स्थितियों या यहाँ तक कि चुनौती भरी स्थितियों में स्नानांतरण करने में भी डाल सकती है। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, ख़ासतौर पर आपके पाचन-तंत्र से जुड़े विकार या तनाव से जुड़ी बीमारियाँ। हालाँकि आसपास की ऊर्जा अशांत करने वाली लग सकती है, विचारधीन योजना और विवेक आपको इन अशांत परिस्थितियों से बचाने में मदद कर सकता है, जिससे आप अपने स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा दोनों की सुरक्षा कर सकते हैं।

शुक्र (29 August, 2025 - 29 October, 2025)

शुक्र आपकी वार्षिक कुंडली में मध्यम शक्ति का है और आपकी जन्म कुंडली में बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में शुक्र की संयुक्त शक्ति इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव दर्शाती है।

वर्षफल में शुक्र की महादशा इंद्रिय सुख, सौंदर्य बोध और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं पर केंद्रित समय को दर्शाती है। यह रिश्तों, धन, विलासिता और उत्सव के अवसरों से संबंधित अनुभवों पर प्रकाश डालती है।

शुक्र मध्यम दशा में यदि मजबूत स्थिति में हो तो जातकों को जीवन के विभिन्न पक्षों में खुशी, समृद्धि और आराम भरा जीवन प्राप्त हो सकता है। इस समयावधि में जातकों का विवाह हो सकता है और बाल बच्चों की प्राप्ति जैसी कोई नई शुरुआत करने की भी संभावना लक्षित होती है। जातक इस अवधि के दौरान अपने व्यापार या खेती के कामों से जुड़े कार्यों में आमदनी में वृद्धि का अनुभव कर सकता है। उनके सांसारिक सुखों में वृद्धि हो सकती है। साथ ही, नई दोस्ती के साथ अपने सामाजिक दायरे को भी विस्तारित कर सकता है। हालांकि, जातक के स्वभाव में हो रहे बदलाव की वजह से उसे कुछ नुकसान का भी सामना कर पड़ सकता है। जातक के जीवन में कुछ कठिनाइयां आ सकती है और यह भी संभावना दिखती है कि उसे महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जातकों को चाहिए कि इस अवधि के दौरान अपने व्यवहार में संतुलन बनाए रखें। इन परिवर्तनों को समझने की कोशिश करें। निरंतर सफलता प्राप्ति और संतुष्टि प्राप्ति की दृष्टि से जातकों के लिए यह अवधि महत्वपूर्ण होगा।

सूर्य (29 October, 2025 - 16 November, 2025)

सूर्य आपकी वार्षिक कुंडली में मध्यम शक्ति का है और आपकी जन्म कुंडली में कमज़ोर स्थिति में है। दोनों चार्ट में सूर्य की संयुक्त शक्ति इसकी दशा के दौरान थोड़ा प्रतिकूल प्रभाव दर्शाती है।

वर्षफल में सूर्य की महादशा व्यक्ति की मूल पहचान, अधिकारियों से संबंध, प्रेरणा और सहनशक्ति पर केंद्रित समय को दर्शाती है। यह धैर्य, साहस और पहचान से जुड़े अनुभवों को प्रभावित करती है।

सूर्य की दशा जब मध्यम बल वाली हो तो ऐसी स्थिति के दौरान संबंधित जातकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति जातक के जीवन से संबंधित सकारात्मक प्रभावों को सीमित कर सकती है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर जातकों को पहचान प्राप्त करने में सफलता मिल सकती है लेकिन उसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इस समय के दौरान जातकों को उनके कार्यस्थल पर संघर्ष और विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जातक के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली पित्त की बीमारियों की भी संभावना गोचर होती है। जातक को इन कठिनाइयों से निपटने के लिए और अपने जीवन शैली को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी नियमित जांच करवाने की भी आवश्यकता है। जातकों को चाहिए कि, वे सामुदायिक सेवा से जुड़े कार्यों में शामिल हों। इससे उनकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है और लोगों के साथ उनका संपर्क भी बढ़ सकता है। कार्यस्थल पर जातकों को अपना धैर्य बनाकर रखने की जरूरत है जिससे समस्याओं का समाधान करने में सहयोग मिलेगा। जातक अपने आध्यात्मिक विश्वास को अपने जीवन में शामिल करें इससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों से राहत मिल सकती है।

नीचे दी गई तालिका आपके 25th वर्ष के लिए ग्रहों की विंशोत्तरी मुद्दा दशा दर्शाती है।

ग्रह	प्रारंभ होगा	समाप्त होगा
मंगल	16 November, 2025	07 December, 2025
राहु	07 December, 2025	31 January, 2026

मंगल (16 November, 2025 - 07 December, 2025)

मंगल आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में भी बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में मंगल की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में मंगल की महादशा शारीरिक और मानसिक शक्ति, भाई-बहनों के साथ संबंधों और साहस से चिह्नित एक चरण को उजागर करती है। यह चुनौतियों के बीच संघर्ष, प्रतिद्वंद्विता और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करता है।

मंगल की दशा मजबूत होने पर, आप विरोधियों पर विजय पाने और प्रतियोगी परिदृश्यों के साथ साथ नए रोजगार के अवसरों और नेतृत्व की भूमिकाओं की आशा कर सकते हैं। यह समय कई आर्थिक लाभों और आपके भाई-बहन के दायरों में वृद्धि कर सकता है। धन और सामाजिक दायरा बढ़ने के साथ साथ प्रभावशाली लोगों के द्वारा सहयोग बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि मंगल अनुकूल स्थिति में हो, तो आपकी पहचान, आत्मविश्वास और पराक्रम की अनुभूति का अनुभव होगा। आर्थिक समृद्धि सीमा पर होने से, आप विरोधियों के द्वारा की गई चुनौतियों का सामना प्रभावशाली ढंग से कर पाऐंगे, जिससे आप अपने चुने गए क्षेत्र में स्थान को स्थिर कर पाऐगें।

राहु (07 December, 2025 - 31 January, 2026)

राहु आपकी वार्षिक कुंडली में बलवान है और आपकी जन्म कुंडली में भी बलवान स्थिति में है। दोनों चार्ट में राहु की संयुक्त ताकत इसकी दशा के दौरान सकारात्मक प्रभाव का संकेत देती है।

वर्षफल में राहु की महादशा पैतृक संबंधों, छिपी चुनौतियों और परिवर्तनकारी अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करती है। यह स्वास्थ्य संघर्षों, जटिल मुद्दों और अपरंपरागत या बौद्धिक गतिविधियों से जुड़ाव को उजागर कर सकता है।

राहु की दशा कई बड़ी कठोर चुनौतियाँ ला सकती है। उसके प्रभाव के तहत, अधिकारियों द्वारा बाधाएँ, धोखा होने की आकांशा और यहाँ तक कि विवाद भी हो सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में गिरावट भी हो सकती है। ऐसे जातकों को चोरी से हानि या स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने के साथ साथ सबंधो से जुड़ी भावात्मक परेशानियाँ या प्रियजनों से नुकसान झेलना पड़ सकता है। हालाँकि, यदि राहु सकारात्मक स्थिति में हो तो राज-योग या धन योग का विन्यास हो सकता है, इससे आर्थिक लाभ या किसी अपरंपरागत तरीके से लाभ हो सकता है, हालाँकि ये प्रायः अस्थायी और छिपे हुए खर्चे के साथ आ सकते हैं। इस समय में सावधानी बरतने, लचीलापन और इसके अप्रत्याशित प्रभाव से निपटने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश की आवश्यकता होती है।

Disclaimer: All astrological calculations are based on vedic rules & scientific equations and not on any published almanac. Though all efforts have been made to ensure the accuracy of all published reports and calculations, we do not rule out the possibility of any unexpected errors. Therefore, Brand cannot be held responsible for the decisions that may be taken by anyone based on this report. Brand assumes no liability for any decisions made based on output from our calculations or reports. The reports or remedies should not be used as substitute for advice, programs, or treatment that you would normally receive from a licensed professional, such as a financial or legal advisor, doctor, psychiatrist etc. Information, forecasts, predictions, reports and remedies provided by Brand should be taken strictly as guidelines and suggestions.

ASTROICA.COM
www.astroica.com
+91 481 2970053
support@astroica.com